केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 66 शनिवार 28 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बारिश से खिले किसानों के चेहरे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार से हो रही बारिश से ऐसा लग रहा, जैसे एक बार फिर बरसात का मौसम लौट आया है। शुक्रवार सुबह से ही हल्की बूंदा बांदी शुरू हो गई थी। आसमान में छाए बादलों से मौसम भी काफी सुहावना रहा। सेबरे से ही बारिश ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी थी। कभी बारिश तेज हो जाती है तो कभी धीमी हो जाती है। बारिश के कारण जनजीवन भी प्रभावित नजर आ रहा है। सूखते धानों को पानी मिल जाने से किसान खुश है।

जबकि दूसरी ओर गलियों व मोहल्लों में पानी जमा हो गया है। शहर की मुख्य सड़क पर लोग अन्य दिनों की अपेक्षा कम नजर आये। सुबह से हो रही बारिश के कारण अधिकांश स्कूल बंद हो गए। देर तक शहर की ज्यादातर दुकानें नहीं खुली थी। लम्बे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बारिश किसी वरदान से कम नहीं है।

किसान इस बारिश से काफी खुश है। इस समय जबकि धान की फसल फूटने को है, ऐसे में यह बारिश फसल के लिए सोने के समान है। बारिश होने से आम लोगों को गर्मी व उमस से भी बड़ी राहत मिली है। पिछले कई दिनों से सुबह के समय से ही तेज धूप हो जा रही थी, रात के समय भी काफी गर्मी रहती थी। बारिश होने से मौसम काफी ठंडा हो गया है।

ग्राम देवताओं को दिया न्योता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी 5 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित आर्य समाज नई बाजार बस्ती के 51वें वार्षिक उत्सव के तैयारियों में प्रभात फेरी एवं जनजागरण का कार्य बारिश में भी नहीं रुक रहा है। कार्यक्रम के संयोजक आचार्य सुरेश जोशी एवं पण्डिता रुचिमणी देवी के साथ आर्य समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ग्राम देवताओं के बीच में पहुंचकर उन्हें इस कार्यक्रम का निमंत्रण दे रहे हैं। ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि गांव के बहन, बेटियों, बुजुर्गों और वयस्कों सबको इस कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम तेनुई के दुर्गा मंदिर में, ग्राम घरसोहिया, वृद्धाश्रम बनकटा और गांवगोड़िया में कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें वैदिक यज्ञ करते हुए लोगों को पर्यावरण शोधन, जल संरक्षण और आपसी भेदभाव को बुलाकर के भाईचारे की भावना से रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बच्चा लाल चौधरी, मुक्तिनाथ मिश्र, विजय पाल, बुद्धदेव, पंडित केशव मिश्रा, पंडित राधेश्याम, उपेंद्र शर्मा, विश्वनाथ प्रसाद, राजेंद्र जायसवाल, रोहित आर्य, दिलीप कसौधन, श्री राम अग्रवाल, शंकर जायसवाल, महिमा आर्य, प्रिया, साक्षी, आयुषी, अजीत कुमार पाण्डेय, आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संचारी रोग नियंत्रण के लिये बैठक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दिशक संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान हेतु जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय द्वितीय अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों विशेष कर स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि संचारी तथा डेंगू रोग के नियंत्रण हेतु समस्त आवश्यक गतिविधियां एवं कार्यवाही समय से संपादित कराई जाए।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री एम. सिद्धारमैया पर मुकदमा

बेंगलूर (आभा)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एम. सिद्धारमैया के खिलाफ मैसुरु लोकायुक्त ने एफआईआर दर्ज कर ली है। उनके खिलाफ मैसुरु अर्बन डिवेलपमेंट अथॉरिटी के प्लॉट्स के आवंटन में घोटालों के आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई है। अदालत की ओर से सिद्धारमैया के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश लोकायुक्त को दिया गया था। इसके बाद ही यह ऐक्शन लिया गया है। यह एफआईआर मैसुरु के लोकायुक्त एसपी उदेश के नेतृत्व में दर्ज की गई है। वहीं इसके लिए आदेश लोकायुक्त एडीजीपी मनीष खरबीकर की ओर से दिया गया था।

अदालत ने सिद्धारमैया के खिलाफ सीआरपीसी के सेक्शन 156(3) के तहत केस फाइल किया है। इसके अलावा आईपीसी की धाराओं 120ठ, 166, 403, 420, 426, 465, 468, 340, 351 के तहत भी सिद्धारमैया के खिलाफ केस फाइल हुआ है। अब इस केस की जांच लोकायुक्त पुलिस की ओर से की जाएगी। एफआईआर के आधार पर सिद्धारमैया को पूछताछ के लिए भी बुलाया जा सकता है। बता दें कि लोकायुक्त के पास गिरफ्तारी की भी शक्ति होती है। ऐसे में सिद्धारमैया की गिरफ्तारी की भी आशंका है। हालांकि उससे पहले ही अपने कानूनी जानकारों की सलाह पर सिद्धारमैया अग्रिम जमानत के लिए याचिका डाल सकते हैं।

शिकायतकर्ता आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की शिकायत पर कोर्ट ने सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था।

यूपी में बरसात से 45 की मौत

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में बुधवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने कहर ढा दिया है। शुक्रवार को जगह–जगह मकान, दीवार, पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। रेलवे ट्रैक पर ओएचई लाइन टूट जाने से कई ट्रेनों के पहिए थम गए। विमान सेवा बाधित हुई। बिजली व्यवस्था चरमरा गई। कुल 45 लोगों की मौत हो गई है। कई घायल हैं। सबसे ज्यादा नुकसान लखनऊ समेत अवध क्षेत्र में हुआ है। यहां 18 लोगों की जान चली गई। वहीं, प्रयागराज, कौशाम्बी व प्रतापगढ़ में 14, मध्य यूपी व बुंदेलखंड में सात और पूर्वांचल में छह लोगों की मौत हुई है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रदेश सरकार ने दो दिन के लिए सभी स्कूल कॉलेज बंद करने की घोषणा की है।

कई जिलों में धान की खड़ी फसल गिर गई। गरज–चमक के साथ हुई भारी बारिश ने लोगों को गर्मी और उमस से राहत तो दी है पर जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। बारिश के साथ तेज हवाओं ने लोगों को ठंड का अहसास कराया। तापमान में अच्छी खासी गिरावट दर्ज की गई।

प्रदेश के तराई क्षेत्र के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बस्ती, और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह से भारी बारिश का कम जारी है।

अयोध्या जिले में बीती रात से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते फसलों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं, कई दिनों से हो रही उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली है तो दूसरी तरफ शहर में जगह–जगह जल भराव हो गया है।

लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिलाधिकारी के आदेश पर कक्षा एक से लेकर 8 तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। मूसलाधार बारिश के चलते गन्ने और धान की फसल गिर गई है।

सहकारी गन्ना समितियों के डेलीगेट के लिए हुआः नामांकनः चुनाव तीन को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सहकारी गन्ना समिति मुंडेरवा और टिनिच डेलीगेट चुनाव में बुधवार को पर्चे खरीदे और भरे गए। पर्चों की जांच व वापसी के बाद 30 सितम्बर को चुनाव चिह्न का आवंटन होगा। आवश्यकता पड़ने पर तीन अक्टूबर को चुनाव होगा। सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड मुंडेरवा में चल रहे चुनाव के दौरान 618 गांव के 581 डेलीगेटों ने पर्चा भरा। अहिकांश डेलीगेट पद पर एक–एक पर्चे ही भरे गए हैं। यहां पर निर्विरोध चुनाव होगा। सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड मुंडेरवा में चुनाव के प्रथम चरण में डेलीगेटों ने गुरुवार को पर्चा भरा।

डेलीगेट डायरेक्टर का चुनाव करेंगे। डायरेक्टर समिति अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया अध्यक्ष के चुनाव के साथ 17 अक्तूबर को समाप्त होगी। सचिव डॉ. रामफल सिंह ने बताया की डेलीगेट के पर्चे का परीक्षण किया जा रहा है। जहां दो प्रत्याशी होंगे वहां तीन अक्तूबर को चुनाव होगा।

सहकारी गन्ना विकास टिनिच के चुनाव में डेलीगेट की 102 सीट के लिए 124 पर्चे बिके। गुरुवार को निर्वाचन अधिकारी बीडीओ कुदरहा आलोक पंकज ने बताया की सामान्य निकाय के गठन की प्रक्रिया के तहत होने वाले चुनाव मे पर्चो की बिक्री व पर्चा दाखिला हुआ है। 102 पदों के सापेक्ष 120 पर्चे दाखिल हुए हैं। पर्चों की जांच व नाम वापसी के बाद 30 को चुनाव चिह्न का आवंटन होगा। मतदान होने पर मतगणना तीन अक्टूबर को होगी।

युवा मण्डलों द्वारा चलाया जा रहा है स्वच्छता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेहरू युवा केन्द्र द्वारा 'माई भारत स्वच्छता ही सेवा अभियान' की कड़ी में जनपद के 14 विकास खण्डों के अनेक चयनित गांवों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह जानकारी देते हुये नेहरू युवा केन्द के जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव ने बताया कि केन्द्र से जुड़े युवा मण्डलों ने गांवों से प्लास्टिक कचरा एकत्र कर उनकी शव यात्रा निकाली और ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दिया। बताया कि यह अभियान 17 सितम्बर से चरणबद्ध रूप में युवा मण्डलों द्वारा चलाया जा रहा है जो गांधी जयन्ती 2 अक्टूबर तक चलेगा।

अनेक स्थानों पर चलाये गये माई भारत स्वच्छता ही सेवा अभियान में सुशील कुमार, दिलीप कुमार गुप्ता, मो. आरिफ, अरूण कुमार, ब्रजेश पाण्डेय, अरूण सिंह, आलोक सिंह, महिमा मटट, सुमन, सरफराज, मनोरमा चौधरी, शुभम पंत, ओम प्रकाश मिश्र आदि योगदान दे रहे हैं।

चोरों की दहशत : 'जागते रहो' के साथ पहरा दे रहे ग्रामीण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विकासखंड के समौड़ी गांव में ग्रामीण पिछले 23 दिनों से लगातार रात में पहरा दे रहे हैं। जिसका मुख्य कारण 1 सितंबर की रात को उक्त गांव और बगल के मरवट गांव में हुई तीन चोरियां हैं। जिसका आज तक पर्दाफाश भी नहीं हो सका है।

ग्रामीणों ने शुक्रवार को बताया कि एक सितंबर की रात को गांव में और बगल के गांव में चोरी हुई तो सुरक्षा के दृष्टिगत हम लोगों ने खुद गांव में पहरा देने और गश्त करने का निर्णय लिया। इस निर्णय के उपरांत 4 सितंबर की रात से लेकर आज तक लगातार 23 दिन से पहरा देने का कार्य जारी है। ग्रामीणों ने बताया की चोरियों का पर्दाफाश ना होने से हम सभी स्वयं गांव की सुरक्षा करने के लिए विवश है। गांव के रामसुमति मिश्र, राधामोहन मिश्र, लालजी मिश्र, पहलवान मिश्र, पटवारी मिश्र, गुड्डू मिश्र, विजय मिश्र, रवीश मिश्र, वेद मिश्र, सचिन मिश्र, गोपाल, शिवा, प्रशान्त आदि टीम बनाकर पहरा देने और गांव में घूम कर गश्त करने का कार्य कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि चोरी की घटना के बाद पुलिस की सक्रियता बढ़ी है और रात में बैरियर लगाकर संदिग्धों की जांच की जा रही है लेकिन चोरियों का पर्दाफाश न होने से अभी भी डर का माहौल कायम है। दूरदराज के जिलों और अन्य प्रदेशों से आकर गांव–गांव फेरी लगाकर सामान बेचने वाले लोगों पर नजर बनाए रखने की जरूरत है पुलिस को भी चाहिए कि ऐसे लोगों पर पूरी नजर बनाए रखे क्योंकि अनजान लोगों के द्वारा कभी भी क्षेत्र में चोरी जैसी अप्रिय घटना हो सकती हैं।

राजकिशोर सिंह ने किया थार रॉक्स का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को प्लास्टिक कॉमपलेक्स स्थित होरा मोटर्स शोरूम में थार रॉक्स मॉडल का उद्घाटन किया गया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राज किशोर सिंह ने होरा मोटर्स के एमडी प्रीतपाल सिंह, रवनीत सिंह हनी के साथ महिंद्रा के थार रॉक्स मॉडल का उद्घाटन करने के बाद टेस्ट ड्राइव किया और उसके आधुनिक उपकरणों के बारे में जानकारी प्राप्त किया। मौके पर होरा मोटर्स के जीएम सलिल सिंह,प्रबंधक किशन सिंह, आकाश वर्मा, शाहिद अंसारी, भास्कर, शम्मी नारंग,जितेंद्र मिश्रा,उत्कर्ष श्रीवास्तव, रोशनी सहित होरा मोटर्स के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपा नेता राना नागेश सिंह समेत चार के विरूद्ध अपहरण, हत्या, शव छिपाने का मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाने की पुलिस ने पूर्व विधायक राना कृष्ण किंकर सिंह के बेटे और भाजपा नेता राना नागेश सिंह समेत चार लोगों के खिलाफ अपहरण, हत्या और शव छिपाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिस युवक शक्ति सिंह की हत्या हुई, वह अयोध्या में विवादित ढांचा गिराने में आरोपी और लक्ष्मण सेना के अध्यक्ष रहे रमेश सिंह का बेटा था।

एसओ नगर देवेंद्र सिंह ने बताया कि राना नागेश सिंह, रवि सिंह, शैलेश सिंह निवासी रानीपुर थाना नगर के अलावा दीपक शुक्ला के खिलाफ तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दुबौलिया थानाक्षेत्र के गौरा–सैफाबाद तटबंध पर बारे में एक युवक का शव गुरुवार को मिला था। युवक के सिर पर गम्भीर चोट के निशान मिले हैं। जिसके आधार पर हत्या कर शव को यहां लाकर ठिकाने लगाए जाने की भी आशंका जताई गई थी। देर शाम नगर थाने की मदद से शव की शिनाख्त शक्ति सिंह (32) निवासी रानीपुर थाना नगर के रूप में की गई। थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रकरण में गुरुवार को ही मृतक के छोटे भाई विक्रम प्रताप सिंह ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

नगर थाने में दिए तहरीर में विक्रम प्रताप सिंह ने बताया है कि गांव के ही नागेश सिंह के परिवार से काफी दिनों से दुश्मनी चल रही थी। आरोप है कि 24 सितंबर की शाम छह बजे गांव के ही ऋषिकेश सिंह के दाह–संस्कार में उनके बड़े भाई शक्ति सिंह गांव के रवि सिंह, शैलेश सिंह के साथ गए थे। दाह–संस्कार शहर कोतवाली के मूड़घाट पर हो रहा था, मैं भी वहां गया था। आते समय हमनें भाई शक्ति से कहा कि घर चलो, तो वह बोला कि जिसके साथ आए थे, उनके साथ ही जाएंगे। उसी दिन के बाद से शक्ति सिंह का कुछ पता नहीं चल रहा था। गुरुवार को शक्ति का शव मिलने के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थे। देर रात पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जागरूकता अभियान "4 की बात" संगोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नाको भारत सरकार एवं उ.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ के दिशा–निर्देशन में जिला एड्स नियंत्रण समिति एवं दिशा यूनिट बस्ती द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आरके0 दुबे की अध्यक्षता में सघन जागरूकता अभियान "4 की बात" के अंतर्गत जनपद स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन प्रदुमन सिंह फार्मेसी कॉलेज, संसारपुर, फुटहिया बस्ती के सभागार में किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रमुख अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित एवं रिबन काटकर किया गया।

प्रदुमन सिंह फार्मेसी कालेज के मोइन अहमद एवं केसव ने कार्यक्रम संचालन किया। कालेज के प्रधानाचार्य नीलेस गुप्ता एवं प्रदुमन सिंह कालेज ऑफ नर्सिंग के प्रधानाचार्या अजरा सिद्दकी ने एसआईसी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी का बुके देकर स्वागत किया गया।

इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि सघन जागरूकता अभियान आयोजित किये जाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं में आहार, पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य जीवन शैली के प्रेरित किया जाना है। उन्होने बताया कि युवा हमारा भविष्य है, भविष्य सुधारने हेतु युवाओं को आज सुधरने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमे रंगोली, पोस्टर मेकिंग एवं मॉडल प्रजेन्टेशन प्रतियोगिता में विभिन्न छात्रों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता को शील्ड, मैडल एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया

–युवा हमारे भविष्य–डा. आर.के. दूबे
–प्रतियोगिताओं के विजेता पुरस्कृत

कलस्टर प्रोग्राम मैनेजर अखिलेश सिंह दिशा यूनिट, बस्ती ने बताया कि एचआईवी, एड्स के बारे में जानकारी का रोचक तरीके से प्रचार किये जाने के क्रम में महाविद्यालयों में "कदम समझदारी का वादा जिम्मेदारी का" की कड़ी में जागरूकता संगोष्ठी, सेमिनार का आयोजन कर अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही साथ युवाओं को एचआईवी, एड्स संक्रमण एवं बचाव के बारे में जानकारी दी गयी तथा अधिक जानकारी के लिए एचआईवी, एड्स टोल फ्री नं0 1097 के बारे में जानकारी दी गयी।

दिशा यूनिट के सीएसओ सुभाष यदुवंशी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के माध्यम से संचालित आईसीटीसी, पीपीटीसीटी, एआरटी, ओएसटी, सुरक्षा क्लीनिक के साथ ही लिंक वर्कर स्कीम, लक्षित हस्तक्षेप परियोजना, सीएसएसी सहित अन्य इकाईयों ने अभियान को सफल बनाने में स्टॉल लगाते हुए प्रतिभागियों को एचआईवी के प्रति जागरूक किया। संगोष्ठी के दौरान बताया कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है। इससे बचाव के लिए लोगों को यूपीसैक की विभिन्न एजेंसियों द्वारा जागरूक किया जा रहा है।

प्रदुमन सिंह फार्मेसी कालेज के प्रधानाचार्य नीलेस गुप्ता एवं प्रदुमन सिंह कालेज ऑफ नर्सिंग के प्रधानाचार्या अजरा सिद्दकी, संसारपुर, फुटहिया बस्ती सहित अध्यापकगण ने संगोष्ठी को सफल बनाने में अहम भूमिका निभायी।

सघन जागरूकता अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी के दौरान आईसीटीसी, पीपीटीसीटी, एआरटी सेंटर, ओएसटी सेंटर, सम्पूर्ण सुरक्षा केंद्र, ग्रामीण विकास सेवा समिति, उम्मीद संस्था एवं सीएससी के प्रतिनिधि ने 4 की बात को लेकर सभी को जागरूक करने हेतु उपस्थित लोगों से आवाहन किया।

दुर्गा पूजा, दशहरा को शांतिपूर्ण मनाने के लिये तैयारियों में जुटा प्रशासनः डीएम ने दिया विद्युत आपूर्ति, सफाई व्यवस्था का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी दुर्गा पूजा, दशहरा त्योहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने सभी लोगों से मिलजुल कर भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की परंपरा को कायम रखने के लिए अपील किया। उन्होंने सभी नागरिकों को त्यौहार की बधाई देते हुए सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की भी अपील किया। उन्होंने स्वच्छता के संबंध में कहा कि साफ–सफाई हम सब की जिम्मेदारी है। बिजली की निर्बाध आपूर्ति, ढीले तारों को टाइट तथा लोकल फाल्ट तत्काल ठीक करने के लिए उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देशित किया है। प्रतिमा विसर्जन के लिए ले जाने वाले रास्तों का सुदृढ़ीकरण व समतलीकरण के लिए उन्होने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा विसर्जन के लिए पिछले वर्षों की भांति सभी घाट पर आवश्यक व्यवस्था की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण गोपाल चौधरी ने निर्देश दिया कि सभी दुर्गा पूजा पंडाल में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। उन्होने कहा कि प्रत्येक पंडाल में सुरक्षा के लिए वॉलिंटियर रात में भी तैनात किए जाएं। उन्होंने अपील किया कि अफवाहों पर ध्यान ना दें तथा किसी प्रकार की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि शासन से निर्देश प्राप्त हुआ है कि पांडाल तथा डीजे मानक के अनुसार ही संचालित किया जाय। रात्रि 10 बजे तक ही डीजे बजाया जाय।

एडीएम प्रतिपाल चौहान ने कहा कि पांडाल व विसर्जन मार्ग का समय से सत्यापन करा लिया जाय। सभी थानाध्यक्ष थानों पर संभ्रांत नागरिकों के साथ बैठक कर लें और बैठक में उप जिलाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। बैठक के दौरान समस्याए सामने आती है, तो उसका समय से निराकरण करें।

बैठक का संचालन करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि मानकविहीन आवाज पाई जाती है तो डीजे संचालक के साथ–साथ दुर्गा मूर्ति आयोजन समिति के विरुद्ध भी एफआईआर कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि दुर्गा प्रतिमा स्थापना सुरक्षित स्थान पर करें ताकि ट्रैफिक बाधित न हो, आरती एवं पूजन के दौरान मुकम्मल सुरक्षा रखें ताकि आग लगने का खतरा न हो। इसके लिए प्रत्येक पंडाल में पानी एवं बालू की पर्याप्त व्यवस्था रखें। सड़क पर गड्ढा ना करें।

बैठक में सरदार जगबीर सिंह, स्कन्द शुक्ला सहित अन्य संभ्रांत नागरिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में सीडीओ जयदेव सीएस, सीएमओ डॉ. आर.एस. दुबे, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, उप जिलाधिकारी शत्रुंन पाठक, आशुतोष तिवारी, अधिशासी अभियंता विद्युत मनोज कुमार, डीपीआरओ रतन कुमार, समस्त क्षेत्राधिकारी पुलिस, थाना अध्यक्ष तथा समिति के सदस्य/नागरिक गण उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 सितम्बर 2024 शनिवार

सम्पादकीय

दर्द देती दवायें

यह खबर परेशान करने वाली है कि बुखार, दर्द, उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि से मुक्ति दिलाने का दावा करने वाली 53 दवाइयां जांच में गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। देश में धड़ल्ले से इस्तेमाल होने वाली पैरासिटामोल भी इन दवाओं में शुमार है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। केंद्रीय औषधि नियामक ने गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी की है। आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध—अनुसंधान की जरूरत है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से गुरेज करती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। विडंबना देखिए कि लोगों द्वारा आमतौर पर ली जाने वाली पैरासिटामोल भी जांच में फेल पायी गई। आम धारणा रही है कि गाहे—बगाहे होने वाले बुखार—दर्द आदि में इस दवा का लेना फायदेमंद होता है। निश्चय ही केंद्रीय औषधि नियामक की गुणवत्ताराहित दवाओं की सूची में इसके शामिल होने से लोगों के इस विश्वास को ठेस पहुंचेगी। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये दुखी मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं।

व्यथित करने वाली बात है कि सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन यानी सीडीएससीओ ने हालिया मासिक रिपोर्ट में जिन गुणवत्ता रहित दवाओं का उल्लेख किया है, उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। जिन्हें बड़ी कंपनियों के नाम से बेचा जा रहा है। इससे उन मरीजों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ जाएंगी जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन—डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन—सी, एंटी—एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। बताते हैं कि फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। यद्यपि सीडीएससीओ ने 53 दवाओं की गुणवत्ता की जांच की थी,लेकिन 48 दवाओं की सूची ही अंतिम रूप से जारी की गई। वजह यह बतायी जा रही है कि सूची में शामिल पांच दवाइयां बनाने वाली कंपनियों के दावे के मुताबिक, ये दवाइयां उनकी कंपनी की नहीं हैं वरन बाजार में उनके उत्पाद के नाम से नकली दवाइयां बेची जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए।

असहाय भाव से मुक्त हों युवा

—विश्वनाथ सचदेव—

अपने हालिया अमेरिकी दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका में बसे भारतीयों को पिछले एक दशक में हुए भारत के विकास का विवरण दे रहे थे। उन्होंने आंकड़े देकर बताया कि इस दौरान भारत में कितने आईआईटी और कितने आईआईएम खोले गए। उनका यह भाषण देश के टीवी चैनलों पर शायद लाइव दिखाया जा रहा था। मुम्बई की लोकल गाड़ी में मेरे साथ बैठे कुछ युवा मोबाइल पर यह सब देख रहे थे। तभी उनमें से एक बोल पड़ा, 'इनको पता ही नहीं है कि देश के कितने नौजवान बेकार बैठे हैं' वह आगे कुछ और भी कह रहा था, पर मेरा ध्यान इसी वाक्यांश पर अटक गया कि 'इनको पता ही नहीं है।' इनको यानी उन सबको जिनके कंधों पर यह जानने का बोझ है कि उनकी नीतियों से देश का नौजवान कितना लाभान्वित हो रहा है।

उस दिन एक खबर आई थी टी. वी. पर। खबर हरियाणा के बारे में थी, जहां आजकल दिन—रात हमारे नेतागण अपनी तारीफों और दूसरों की बुराइयों में लगे हुए हैं। खबर में बताया गया था कि सफाई कर्मचारी के पद पाने के लिए तीन लाख 95 हजार युवाओं ने आवेदन किया है। खबर में यह भी बताया गया था कि इनमें से चालीस हजार तो स्नातक पदवीधारी हैं और लगभग सवा लाख बारहवीं पास हैं!

कोई भी काम छोटा नहीं होता, लेकिन इस खबर से यह तो पता चल ही रहा है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था का नागरिकों के जीवन—यापन से कितना और कैसा रिश्ता है। सफाई का काम कर पाने के लिए किसी को कितनी पढ़ाई करने की आवश्यकता है? किसी का स्नातक होना तो इसकी अर्हता हो ही नहीं सकती। होनी भी नहीं चाहिए। सफाई कर्मचारी की नौकरी पाने के लिए तो यह लगभग चालीस हजार युवा नहीं पढ़ रहे थे। कुछ सपने होंगे इनके भी। निश्चित रूप से जीवन की विवशताओं के समक्ष हार मानने के बाद ही इन युवाओं ने इस नौकरी के लिए आवेदन किया होगा। क्या उन्हें यह बात पता है जिन्हें पता होनी चाहिए? मुम्बई की लोकल गाड़ी में सफर करने वाले उस युवक ने अपने प्रधानमंत्री का भाषण सुनते हुए कहा था, 'इन्हें पता ही नहीं है।'

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनमी (सीएमआईई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, अखिल भारतीय बेरोजगारी की दर 9.2 प्रतिशत है। अपने विकसित देश होने का सपना देखने वाले देश के लिए यह आंकड़े चिंता और शर्म दोनों का विषय होने चाहिए।

हमारे नेता यह बात करते नहीं थकते कि पिछले एक दशक में हमारी अर्थव्यवस्था 90 प्रतिशत बढ़ गई है और भारत के लोग नए विश्वास से भरे हुए हैं। ये दोनों बातें सही हो सकती हैं, पर इस तथ्य को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि आज देश में रोजगार के अवसर उतने नहीं हैं जितने होने चाहिए। आईआईएम और आईआईटी संबंधी दावों के बरक्स सच्चाई यह भी है कि हमारे विश्वविद्यालयों में से एक भी ऐसा नहीं है जिसकी गणना दुनिया के श्रेष्ठ समझे जाने वाले पहले सौ विश्वविद्यालयों में की जा सकती हो! अमेरिका में अपने भाषण में प्रधानमंत्रीजी ने हमारे सदियों पुराने विख्यात नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से साकार करने का सपना दिखाया है। कौन नहीं चाहेगा कि उनका यह सपना साकार हो? पर इस सच्चाई को भी नहीं झुठलाया जा सकता है कि अमेरिका में बसे जिन भारतीयों को वे संबोधित कर रहे थे, उनमें से अधिसंख्य वहां के श्रेष्ठ समझे जाने वाले विश्वविद्यालयों में पढ़ने गए थे। यूक्रेन और बांग्लादेश जैसे छोटे देशों में भी हमारे देश के विद्यार्थी पढ़ने जा रहे हैं!

बेहतर स्वास्थ्य, बेहतर शिक्षा और बेहतर जीवन—स्तर किसी भी देश के विकसित होने को सही तरीके से परिभाषित करते हैं। किसी भी अर्थव्यवस्था की सफलता और मजबूती का बुनियादी मानदंड यही है कि हर हाथ को काम, हर सिर को छत, और हर नागरिक को आगे बढ़ने का उचित और पर्याप्त अवसर मिले। जब व्यक्ति को चाहने और प्रयास करने पर भी अपनी योग्यता और क्षमता के अनुरूप कार्य नहीं मिलता, तो अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी अपना सिर उठाने लगती है। दावे या वादे भले ही कुछ भी किए जा रहे हों, सच्चाई यह है कि आज देश का युवा अपने आप को असहाय पा रहा है। यह स्थिति बदलनी ही चाहिए।

इस बात की अवहेलना नहीं होनी चाहिए कि बेरोजगारी अंततः विकास की दर को कम करती है और अर्थव्यवस्था में विकास को धीमा बनाती है। इसका सीधा असर गरीबी के स्तर पर पड़ता है। और इसका मतलब होता है कुपोषण को बढ़ावा। यह एक ऐसा दुष्चक्र है जो सारे गणित गड़बड़ा देता है।

यह मानना गलत होगा कि हमारे नेतृत्व को यह सब पता नहीं है। बेरोजगारी जैसी समस्या कोई छिपी हुई बात नहीं है। सब इस बात से वाकिफ हैं और सब जानते हैं कि हमारा युवा देश इस दुष्चक्र का शिकार बन रहा है। भारत में युवाओं की संख्या दुनिया के सभी देशों से अधिक है। हमारी 75 प्रतिशत से अधिक आबादी की आयु 35 वर्ष से कम है। इसका सीधा—सा अर्थ यह है कि हमारी काम करने की क्षमता अधिक है। सवाल इस क्षमता के सही और समुचित उपयोग का है। बेरोजगारी के आंकड़े बताते हैं कि ऐसा हो नहीं रहा।

सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या हम इस स्थिति से निपटने के लिए वह सब कर रहे हैं जो अपेक्षित है? क्या हमारी प्राथमिकताओं में देश की युवा आबादी के लिए पर्याप्त काम की व्यवस्था का उचित स्थान है? हरियाणा में सफाई कर्मचारी के पद के लिए आवेदन करने वालों की संख्या तो यही बता रही है कि इस प्रश्न का उत्तर 'हां' नहीं है।

वे कौन—से मुद्दे हैं जो हमारे नेतृत्व को आज महत्वपूर्ण लग रहे हैं? इस प्रश्न का एक उत्तर हमारे राजनेताओं के बयानों में आए दिन सामने आ रहा है। हालिया चुनावों की बात ही कर लें। स्पष्ट दिख रहा है कि हमारे नेतृत्व के लिए मंदिर—मस्जिद, जातियों का वोट बैंक, सड़कों और शहरों का नामकरण, लंबी सड़कें, तेज गति वाले वाहन, ऊंची मूर्तियां, गगनचुम्बी इमारतें आदि वरीयता में कहीं ऊपर आते हैं। आम चुनावों में हमने स्पष्ट देखा कि मुद्दे ऐसी ही बातों तक सीमित रहे। करता रहे विपक्ष महंगाई और बेरोजगारी की बात, वोट मुफ्त बिजली, मुफ्त अनाज, नकद राशि आदि की दुहाई देकर मांगे गए। हरियाणा में उच्च शिक्षा प्राप्त बेरोजगारों की आपदा चुनाव का मुद्दा नहीं बनी, इसे सिर्फ त्रासदी के रूप में ही समझा जाना चाहिए। हरियाणा का सच देश के बाकी राज्यों की भी कहानी सुनाता है। हाल ही में राजस्थान में लगभग 25 हजार सफाई कर्मचारियों की भर्ती के लिए नौ लाख से अधिक युवाओं ने आवेदन भरे थे! ये युवा हमसे अपना अधिकार मांग रहे हैं। कब मिलेगा उन्हें अपनी योग्यता के अनुसार काम करने का अधिकार?

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तीर्थस्थल की हिन्दू वंशावलियों की पंजिका का हो संरक्षण

— अशोक मधुप—

हिंदू तीर्थस्थल धार्मिक मान्यताओं और पूजन अर्चन के लिए विख्यात है। इन सब कार्य को इन स्थलों के ब्राह्मण पंडित कराते हैं। ये ब्राह्मण पंडित पंडा कहे जाते हैं। ये पंडा सदियों से एक कार्य करते और कराते आ रहे हैं। ये पंडा अपने पास आने वाले यजमान (भक्तों) के परिवार का इतिहास अपनी बहियों में संजोते जा रहे हैं। ये काम सदियों से अनवरत रूप से जारी है। ये हिन्दू वंशावलियों की पंजिकाएं ऐतिहासिक धरोहर हैं। आज इनके संरक्षण की आवश्यकता है। इनके संजोकर रखने की जरूरत है।

हिंदू परिवारों को इस बारे में बहुत कम या न के बराबर जानकारी है। उन्हें पता भी नही कि इन स्थानों पर उनके परिवार का इतिहास संग्रहित है। सदियों से बहियों में ये रिकार्ड व्यापारी के खाते की तरह लिखकर रखा जा रहा है। अधिकतर भारतीयों व वे परिवार जो विदेश में बस गए उनको आज भी पता नहीं कि इन तीर्थस्थल की पंडो की बहियों में उनके परिवार की वंशावली दर्ज है। हिन्दू परिवारों की पिछली कई पीढ़ियों की विस्तृत वंशावलियां इन पंडा के पास संग्रहित हैं। ये पंडा आने वाले यजमान से उसके परिवार की जानकारी नोट करने के बाद उसके हस्ताक्षर कराकर बही में अपने पास रखते हैं। ये पंडा ये बहियां अपनी आने वाली अपनी पीढ़ी को सौंपते जाते हैं। ये बहियां जिलों व गांवों के आधार पर वर्गीकृत की गयीं हैं। प्रत्येक जिले की पंजिका का विशिष्ट पंडित होता है। यहाँ तक कि भारत के विभाजन के उपरांत जो जिले व गाँव पाकिस्तान में रह गए व हिन्दू भारत आ गए उनकी भी वंशावलियां यहाँ हैं। कई स्थितियों में उन हिन्दुओं के वंशज अब सिख हैं, तो कई के मुस्लिम अपितु ईसाई भी हैं। किसी.किसी की सात वंश या उससे भी ज्यादा की जानकारी पंडों के पास रखी इन वंशावली पंजिकाओं से होना साधारण सी बात है।

शताब्दियों पूर्व से हिन्दू पूर्वजों ने हरिद्वार या किसी पावन नगरी की यात्रा की, तीर्थयात्रा के लिए या शव—दाह या स्वजनों के अस्थि व राख का गंगा जल में किया होगा तो वे संबद्ध पंडा के पास गए होंगे। ये पंडा इन आने वालों के रहने खाने तक की व्यवस्था करते हैं। इन पंडाओं ने अपनी पंजिका में वंश—वृक्ष को संयुक्त परिवारों में हुए सभी विवाहों, जन्म व मृत्युओं के विवरण दर्ज किया हुआ है। वर्तमान में धार्मिक स्थल पर जाने वाले भारतीय हक्के—बक्के रह जाते हैं जब वहां के पंडित उनसे उनके अपने वंश—वृक्ष को नवीनीकृत कराने को कहते हैं।

आजकल जब संयुक्त हिंदू परिवार का चलन खत्म हो गया है। लोग एकल परिवारों को तरजीह दे रहे हैं, ये पंडित चाहते हैं कि आगंतुक अपने फैले परिवारों के लोगों व अपने पुराने जिलों— गाँवों, दादा— दादी के नाम व परदादा—परदादी और विवाहों, जन्मों और मृत्यु, परिवारों में हुए विवाह आदि की पूरी जानकारी के साथ वहां आएं। आगंतुक परिवार के सदस्य को सभी जानकारी नवीनीकृत करने के उपरांत वंशावली पंजीका को भविष्य के पारिवारिक सदस्यों के लिए व प्रविष्टियों को प्रमाणित करने के लिए हस्ताक्षरित करना होता है। साथ आये मित्रों व अन्य पारिवारिक सदस्यों से भी साक्षी के तौर पर हस्ताक्षर करने की विनती की जा सकती है।

इन तीर्थ स्थल के पुरोहितों के पास देश और दुनिया भर के यजमानों का दशकों पुराना लिखित रिकॉर्ड वंशावली के रूप में मौजूद है। किसी यजमान के आने पर चंद मिनटों में ही संबंधित पुरोहित कंप्यूटर से भी तेज गति से वंशावली देखकर उनके पूर्वजों की जानकारी दे देते हैं। पितृ पक्ष के दौरान इन तीर्थ स्थल पर आने वाले लोग अपने तीर्थ पुरोहितों के पास आकर वंशावली में अपने वंश के बारे में जरूर जानते हैं। ये पड़े जनपद के हिसाब से हैं। तीर्थ स्थल में पहने वालों को पता है कि किस जनपद के पंडा कौन हैं। किसी दूसरे के यजमान को कोई अन्य पंडा खुद क्रिया.कर्म नहीं कराता। संबंधित जिले के पंडा के पास उसे भेज देता है।

शताब्दियों से हो रहा ये लेखन भोज पत्रों और ताम्र पत्रों के बाद अब कागज की बहियों पर शुरू किया गया। तीर्थ पुरोहितों के पास सैकड़ों वर्ष पुरानी बहियां आज भी सुरक्षित हैं। तीर्थ पुरोहितों की बहियों में देश भर के राजाओं, महाराजाओं, साधु, संतों, राजनेताओं एवं आम लोगों के परिवारों के वंश लेखन बहियों में मौजूद हैं। अकेले हरिद्वार में 30 हजार से अधिक की संख्या में वंशावली की बहियां सुरक्षित और संरक्षित हैं। इन बहियों में लेखन करने के लिए अलग स्याही तैयार करके तीर्थ पुरोहित वही लेखन करते हैं, जो काफी वर्षों तक सुरक्षित रहती है। इन वंशावलियों में जातियों, गोत्रों, उपगोत्रों का भी जिक्र रहता है। सबसे अहम बात इन बहियों में देखने को मिलती है कि तीर्थ पुरोहितों ने लेखन को भेदभाव से दूर रखा है। जहां राजाओं, महाराजाओं की वंशावलियां जिस क्रम में अंकित हैं, उसी क्रम में तीर्थ नगरी में पहुंचने वाले अन्य श्रद्धालुओं की हैं। विभिन्न राजवंशों की मुद्राएं, हस्त लेखन, दान पत्र, अंगूठे और पंजों के निशान बहियों में मौजूद हैं। यहां की वंशावलियों में देश की कई रियासतों के राजाओं के आने के उल्लेख दर्ज हैं।

अक्तूबर 2007 में हमें इंडियन वर्किंग जर्नलिस्ट की एक कांफ्रेंस में बद्रीनाथ जाने का अवसर मिला। मेरे साथ गए मेरे दोस्त नरेंद्र मारवाड़ी भी थे। हम मारवाड़ी के साथ बद्रीनाथ में, अजमेर के महावर वालों की धर्मशाला में चले गए। ये मारवाड़ी के परिवारवालों की धर्मशाला है। वहां पंडित जी से बात की। वंशानुक्रम के बारे में बताया। बात करते—करते पंडित जी ने अपनी बही खोलकर उनके गोत्र का विवरण खोला तो पता चला कि मारवाड़ी के पिता जी 41 वर्ष पूर्व यहां यात्रा को आए थे। यात्रा को आने के बाद हुए उनके दो बच्चों का विवरण दर्ज नहीं थे। पंडित जी ने बही देखकर बताया कि 93 साल पूर्व उनके दादा जी बद्रीनाथ आए थे। दोनों के आने की तिथि तक वही में दर्ज थी। उनके हस्ताक्षर भी बही में मौजूद थे। मित्र को अपने बाबा का नाम ज्ञात था। यहां बही से उन्होंने अपने बाबा के पिता उनके भाई, बाबा के दादा और उनके भाइयों आदि का विवरण नोट किया। पंडित जी ने अपनी वही में मित्र से अपने और उनके बच्चे, भाई और भाइयों के बच्चों की जानकारी नोट की। नीचे तारीख, माह, सन डालकर हस्ताक्षर कराए।सदियों से चले आ रहा इतिहास को संजोकर रखना एक दुरुह कार्य है। इस कार्य को ये पंडे सुगमता से पीढ़ियों से करते चले आ रहे हैं। आज इस इतिहास को संजोने और संरक्षण की जरूरत है।अच्छा रहे कि इनका कंप्यूटरीकरण हो जाए। बहियों को लैमिनेट करके भी संरक्षित किया जा सकता है। कैसे भी हो, ये होना चाहिए, नहीं तो समय के साथ ये गलता और खराब होता चला जाएगा।। ये काम इनके व्यक्तिगत स्तर से संभव नहीं। सरकार को अपने स्तर से कराना होगा, तभी ये संभव हो पाएगा।

कार्यस्थल पर बढ़ता तनाव

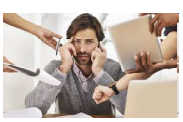

—रजनीश कपूर—

संजय दत्त की बहुचर्चित फिल्म 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' का एक डायलॉग काफी हिट हुआ था जिसमें वह हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे 'टैंशन लेने का नहीं देने का'। परंतु शायद उस फिल्म में दिए गए संदेश को कुछ लोग गंभीरता से नहीं ले सके। इसीलिए वे मामूली से तनाव को इतना बढ़ा लेते हैं कि वह कभी—कभी जानलेवा भी साबित हो जाता है। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर पुणे की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना सेबेस्टियन की मां की चिट्ठी काफी चर्चा में रही। भारत में इस कंपनी के अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में ऐना की मां ने इस बात का उल्लेख किया कि किस तरह उनकी पुत्री पर कंपनी ने काम का दबाव बनाया हुआ था।

मात्र 4 महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली। इस दबाव का एक स्पष्ट उदाहरण तब भी दिखा जब ऐना के अंतिम संस्कार में कंपनी में काम करने वाले सहकर्मी भी नहीं पहुंचे। जैसे ही ऐना की मां का यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही इस बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम कर चुके पूर्व कर्मचारियों ने अपने भयानक अनुभव भी सांझा किए। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा वैसे ही कंपनी की ओर से 'वर्क प्रैशर' का खंडन किया गया। इसके साथ ही सरकार ने भी इस मामले में जांच बैठा दी है। ऐना की मृत्यु ने आज के कॉर्पोरेट जगत में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इस दुखद घटना के बाद कई तरह की प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। दरअसल 'वर्क प्रैशर' के बढ़ते हुए तनाव के कारण दुनिया भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां प्रतिस्पर्धा की दौड़ में आगे रहने के चलते कई लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है।

चीन में एक व्यक्ति ने लगातार 104 दिनों तक बिना किसी छुट्टी के काम किया और अंततः शरीर के कई अंगों की विफलता के कारण उसकी मौत हुई। वहां की अदालत ने उस व्यक्ति की कंपनी को उसकी मौत का 20 प्रतिशत तक जिम्मेदार ठहराया। वहीं अमरीका के एक बैंक कर्मचारी की मृत्यु का कारण भी उसके काम का दबाव ही बना। ऐसे अनेकों उदाहरण हैं जहां कर्मचारियों से अधिक काम करवाने के चलते ऐसे हादसे हो रहे हैं विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर में काम के दबाव व तनाव के चलते प्रतिवर्ष करीब 7.50 लाख लोगों की मृत्यु होती है। ऐसा इसलिए होता है कि अधिक काम करने का सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। काम का तनाव लेने से मनुष्य में हृदय रोग, डायबिटीज व स्ट्रोक जैसी घातक बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

नई शिक्षा नीति में हिंदी भाषा अनिवार्य हो

भारत की नई शिक्षा नीति 2020 में राजभाषा आयोग 1955 की सिफारिशों में से एक भारतीय भाषाओं के ज्ञान एवं सीखने की सिफारिश को शामिल किया गया है।इसके अंतर्गत हिंदी भाषा सन 2050 तक दुनिया की सबसे ताकतवर भाषा बन सकेगी।शिक्षा की व्यवस्था में भाषा का महत्व सर्वविदित है।चाहे जीवन का व्यवहारिक क्षेत्र हो, सामाजिक या राजनीति क्षेत्र हो ,सभी क्षेत्रों में मातृभाषा का महत्व स्वीकारा गया है।आज लगभग 13 से 14 राज्य पूर्णतः हिंदी भाषी राज्य हैं।इन राज्यों में हिंदी की आत्मा निवास करती है।वैसे भारतीय साहित्य और फिल्मों के कारण हर भारतवासी हिंदी को बखूबी बोलता और समझता है।हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार को सी बी एस ई बोर्ड की कक्षा नवीं से बारहवीं कक्षा तक हिंदी विषय को तत्काल प्रभाव से अनिवार्य कर देना चाहिए।हिंदी भाषा की मजबूती के लिए यह कदम मील का पत्थर साबित होगा।वैसे भी भारत के सांस्कृतिक और सामाजिक वैभव की स्थापना की प्रथम सीढ़ी निजभाषा अर्थात हिंदी में शिक्षा में ही निहित है।मातृभाषा के बिना सभी ज्ञान एवं अध्ययन बेकार साबित होंगे।अतः इसे तुरंत लागू करना चाहिए।

विकास कुमार शर्मा
गंगापुर सिटी
(राजस्थान)

झमाझम बारिश से क्षेत्र हुआ जलमग्न, फसलें हुई धराशायी

संवाददाता—बलरामपुर। जिले में करीब 20 घंटे से तेज हवाओं के साथ झमाझम बरसात हो रही है। लगातार बारिश होने से एक ओर जहां फसलों की पर्याप्त मात्रा में सिंचाई हो गई है, वहीं तेज हवाओं के चलते धान व गन्ने की अधिकांश फसल जमीन पर गिर गईं। इससे फसल के नुकसान होने की संभावना है। वहीं कई स्थानों एवं प्रमुख मार्गों पर पेड़ गिरने से आवागमन प्रभावित हुआ। साथ ही बिजली के तार टूट जाने से घंटो आपूर्ति बाधित रही। मुख्यालय पर करीब छह घंटे तक बिजली बाधित रही। जिले के लगभग 600 गांव में 20 घंटे से बिजली गुल है। बारिश न थमी तो बाढ़ आने की संभावना भी उत्पन्न हो जाएगी। पिछले दो सप्ताह से बरसात न होने के कारण भीषण गर्मी पड़ रही थी। उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल हो गए थे। गुरुवार देर शाम अचानक आसमान में काले बादल छा गए। रात 12 बजे से तेज हवाओं के साथ झमाझम बरसात शुरू हो गई, जो शुक्रवार देर रात तक लगातार होती रही। बारिश से सूख रही फसलों को फायदा पहुंचा है। वहीं तेज हवाओं के चलने से गन्ना व धान फसलें धाराशायी हो गई हैं। किसानों की मानें तो धान की फसल को फायदा पहुंचा है। बारिश से अब खेतों में पर्याप्त नमी हो गई है, जिससे धान में अच्छी तरह से बालियां आ जाएंगी, साथ ही इनमें फूल भी लग जाएंगे। वहीं धान की जो फसलें लम्बी हो गईं थी, तेज हवाओं के चलने से जमीन पर गिर गई हैं, उनकी उत्पादन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। किसान राम बहादुर, छोटेलाल, किशोरी, सलीम व राम तेज ने बताया कि बारिश के साथ—साथ तेज हवाओं के चलने से अधिकांश गन्ना फसल भी गिर गई है। इसके अलावा दलहनी फसल उरद, मूंग आदि को भी बारिश से नुकसान पहुंचा है। जिला कृषि अधिकारी पीसी विश्वकर्मा बताते हैं कि यदि लगातार बारिश होती रही तो गन्ना व दलहनी फसलों पर बुरा असर पड़ेगा। 20 घंटे से हो रही लगातार बारिश से एक ओर जहां लोगों को गर्मी से निजात मिली है वहीं तेज हवाओं के चलने से लोगों को ठंड का भी एहसास हुआ। बारिश के न रुकने से लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल सके। बाजार व कस्बों में सन्नाटा पसरा रहा। अधिकांश दुकानें बंद रहीं। जरूरी काम होने पर ही लोग छाता इत्यादि के सहारे घर से निकलते नजर आए।

महिला समेत उसके तीन बच्चों की हत्या के दोषियों को कोर्ट ने दी सजा ए मौत

संवाददाता—बहराइच। करीब तीन साल पुराने एक मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम पवन कुमार शर्मा ने महिला समेत उसके एक बेटे व दो बेटियों की हत्या में दो दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। इन्हें दो दिन पूर्व दोषी करार दिया गया था। मामला 12 सितंबर 2021 का है। थाना फखरपुर के माधवपुर के ग्राम प्रधान ने पुलिस को लिखित सूचना दी थी कि लगभग पांच बजे गांव के कुछ लोगों ने उन्हें बताया है कि यादवपुरी पुलिया के आगे गन्ने के खेत में एक महिला का शव पड़ा हुआ है, जिसकी उम्र 35 वर्ष है। उसके आगे धान के खेत में एक पांच वर्षीय बच्ची का शव पड़ा है।

गजाधरपुर के तुलापुरवा निवासी बेचन ने भी पुलिस को सूचना दी कि सुबह 7.30 बजे जब बसंतापुरवा जा रहा था तो नहर पुलिया के पास भीड़ लगी थी, जहां पर दो शव एक लड़की, जिसकी उम्र आठ वर्ष तथा एक पांच वर्षीय लड़के का शव बरामद हुआ। घटना को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक सुजाता सिंह ने गंभीरता से लेकर जांच कराई। पुलिस ने दोनों जगहों के चारों शवों को एकत्र करके विधिक कार्रवाई कराई और मृतकों की पहचान महाराष्ट्र की रहने वाले 35 वर्षीय मैरीकाशी कात्यान, उसकी आठ वर्षीय बेटी रजाती, पांच वर्षीय सौंदर्य व छह वर्षीय जोसेफ के रूप में हुई।

इस घटना में ग्राम तेलियनपुरवा निवासी ननकू व सलमान और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया था। ननकू व सलमान को कोर्ट ने शुक्रवार को फांसी की सजा सुनाई है। जबकि नाबालिग का केस बालक न्यायलय पर चल रहा है।

किसानों का चक्का जाम स्थगित, एसडीएम को सौंपा पत्रक

संवाददाता—देवरिया। जमीनों के मुआवजे को लेकर पूर्व विधायक के नेतृत्व में शुक्रवार को होने वाला चक्का जाम और धरना प्रदर्शन बारिश के कारण स्थगित हो गया। किसानों ने पूर्व विधायक स्वामीनाथ के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी अंगद यादव से मुलाकात किया और उन्हें पत्रक सौंप कर अपनी समस्याओ से रूबरू कराया। गौरतलब है कि राम जानकी मार्ग निर्माण में ली गई किसानों की भूमि के प्रतिकर को लेकर पूर्व सपा विधायक स्वामी नाथ भाई ने एक सप्ताह पूर्व उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर किसानों के साथ तहसील के पास 27 सितम्बर को चक्का जाम व प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। लेकिन बारिश के कारण प्रदर्शन को रोक देना पड़ा। पी डब्लू डी द्वारा उपजिलाधारी के न्यायलय में कुछ दिन पूर्व पुरानी सड़क की भूमि पर अपना नामांतरण दर्ज कराने हेतु बाद दाखिल किया था परंतु एसडीएम के आदेश पर विभाग कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं करा पाया। इस मामले में उपजिलाधिकारी ने 30 सितम्बर फैसला सुनाने आश्वासन दिया है। उनके आश्वासन पर किसानों ने राहत की सांस ली।

मुस्कान के मूक बधिर बच्चों द्वारा बनाये सामानों को मंत्री ने सराहा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। दिव्यांग कल्याण मंत्री मा.नरेंद्र कश्यप ने मुस्कान पुनर्वास केंद्र के बच्चों द्वारा बनाए गए सामानों में नारियल के गणेश जी ,न्यूजपेपर का पेन स्टैंड ,खाली बोतल के लैंप स्टैंड, रद्दी के कागज की टोकरी ,कपड़े के बैग ,आर्टिफिशियल ज्वेलरी ,वॉल हैंगिंग आदि को देखकर बहुत खुश हुए तथा बच्चों एवं शिक्षकों की मेहनत की सराहना की तथा बच्चों को बहुत ही प्यार एवं आशीर्वाद दिया। उक्त अवसर पर उपनिदेशक दिव्यांग कल्याण अनुपमा मौर्या मौर्य,दिव्यांग कल्याण अधिकारी चंद्रेश तिवारी, पिछड़ा वर्ग अधिकारी जयप्रकाश गुप्ता मुस्कान पुनर्वास केंद्र की निदेशक डॉ रानी अवस्थी , प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी शिक्षक पूजा निषाद, संदीप यादव तथा मूक बधिर बच्चे रजनीश, दीपेश अभिषेक मिश्रा, आदित्य, सौरव गौड़, माही, परी ,आयुष आदि उपस्थित थे। निदेशक डॉ रानी अवस्थी ने माननीय मंत्री श्री नरेंद्र कश्यप जी को गणेश जी देकर सम्मानित किया तथा प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी ने जय श्री राम का पटका उढ़ाकर कहा कि इसके बिना अयोध्या आगमन अधूरा रह जाएगा। माननीय मंत्री जी बच्चों के बीच बहुत ही खुश थे। इस प्रकार दिव्यांगों का अंतराष्ट्रीय मूक दिवस सप्ताह के कार्यक्रम का समापन हुआ।

डीएम ने बरियारपुरवा में रुकवाया तालाब पटाई का काम

संवाददाता—गोण्डा। भारी बारिश के बीच डीएम नेहा शर्मा ने शुक्रवार को शहर के बरियारपुरवा क्षेत्र का निरीक्षण करके तालाब में मिट्टी पटाई का काम तत्काल रुकवा दिया है। वह प्रशासनिक अमले के साथ तालाब की अवैध पटाई की जनशिकायत पर जांच करने मौके पर पहुंची थीं। डीएम ने नगर पालिका को निर्देश दिए कि वे क्षेत्र में जलनिकासी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें और इसकी जानकारी तुरंत उपलब्ध कराएं। मकार्थीगंज, ददुवा बाजार और आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय निवासियों ने डीएम को बरियारपुरवा में तालाब की मिट्टी से अवैध पटाई के संबंध में शिकायत दी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस अवैध पटाई के कारण जल निकासी की समस्या उत्पन्न हो रही थी। भारी बारिश के दौरान क्षेत्र में जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई थी। शुक्रवार सुबह भारी बारिश के बावजूद जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने शिकायत की जांच के लिए मौके पर पहुंच गईं। उनके साथ सिटी मजिस्ट्रेट विजय शर्मा, एसडीएम सदर अवनीश त्रिपाठी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्थानीय निवासियों से बातचीत की, जिन्होंने बताया कि अवैध पटाई के कारण जल निकासी की समस्या गंभीर हो गई है। इस पर डीएम ने तत्काल पटाई कार्य रुकवा दिया। साथ ही नगर पालिका को निर्देशित किया कि वे जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान करें।

डीएम नेहा शर्मा ने नगर पालिका को यह भी निर्देश दिए कि भविष्य में जल निकासी की समस्या को रोकने के लिए ठोस और प्रभावी योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे अवैध कार्यों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षकों को बताया गया भाषा व गणित विषय पढ़ाने का तरीका

संवाददाता—श्रावस्ती। भाषा व गणित विषय में तकनीकि रूप से दक्ष बनाने को शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसका समापन शुक्रवार को हुआ। 635 शिक्षकों को छह चरण में प्रशिक्षित किया गया। ब्लाक संसाधन केन्द्र सिरसिया में एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड नुमेरसी) प्रशिक्षण का का आयोजन किया जा रहा था। जिसका शुक्रवार को समापन कर दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 635 शिक्षकों के साथ ही शिक्षामित्रों ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें शिक्षकों ने कक्षा एक, दो व तीन में पढ़ाने के लिए नई तकनीकियां सीखी। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य भाषा और गणित की दक्षताओं का प्रारंभिक विकास करना था। प्रशिक्षकों ने शिक्षण कार्य की नियमित गतिविधियों पर चर्चा की। ताकि शिक्षकों को इनका प्रभावी ढंग से उपयोग करने की जानकारी मिल सके। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों ने चार्ट पर लिखकर अपने विचार प्रस्तुत किए। खंड शिक्षा अधिकारी राज किशोर ने सभी शिक्षकों को प्रेरित किया कि वे इस प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को कक्षा में पूरी तरह से लागू करें। प्रशिक्षक संतोष सोनी ने अंग्रेजी भाषा के विकास के लिए जरूरी तकनीकियों पर चर्चा की। जिससे अंग्रेजी विषय सरल व प्रभावी बन सके। इस मौके पर एआरपी आशुतोष आजाद, दिनेश प्रजापति, चांद बाबू, गौरव शर्मा, नीरज आदि मौजूद रहे।

भेड़िये ने फिर दो मासूमों पर किया जानलेवा हमला

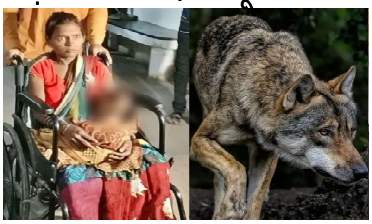

संवाददाता—बहराइच। हरदी थाना क्षेत्र के गांवों में एक बार फिर भेड़िया सक्रिय हो गए हैं। बृहस्पतिवार रात भेड़िये ने हमला कर बालक समेत दो मासूमों को जख्मी कर दिया। दोनों को सीएचसी महसी लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद में जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है। जहां इलाज चल रहा हैं। महसी क्षेत्र में लगभग दो सप्ताह से भेड़ियों का कोई हमला नहीं हुआ था जिससे गांव के लोग राहत की सांस ले रहे थे लेकिन बृहस्पतिवार रात को अचानक भेड़िया ने फिर हमला कर दिया जिसके कारण पूरे क्षेत्र में फिर दहशत फैल गई है।

मिली जानकारी अनुसार हरदी थाना क्षेत्र के रमवापुर खुर्द गांव निवासी आयुष (6 माह) पुत्र रमेश अपनी मां फूलमती के साथ तीन दिन पहले ननिहाल घूमनी गांव आया था। फूलमती अपने बेटे आयुष के साथ सोई हुई थी कि अचानक रात दो ढाई बजे के बीच एक जंगली जानवर आया और बच्चे को अपनी तरफ खींचने लगा। इतने में फूलमती की आंख खुल गई और वह बच्चे को अपनी तरफ खींचने लगी और जोर जोर से चिल्लाने लगी। आसपास के लोगों के जगने से भेड़िया बच्चे को छोड़कर भाग गया पर भेड़िया के हमले में छह माह का आयुष घायल हो गया।

वहीं, दूसरी तरफ इसी थाना क्षेत्र के ग्राम नकहा निवासी ममता (5) पुत्री तीरथ अपनी बहन के साथ सो रही थी। रात ढाई तीन बजे के आसपास भेड़िया ने बालिका पर हमला कर दिया। परिजनों के जगने और शोर मचाने पर भेड़िया बालिका को छोड़कर भाग गया। दोनों को परिवार के लोगों ने सीएचसी पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हमलों को लेकर क्षेत्रीय लोगों में दहशत का माहौल है। बीते दो माह से सरयू नदी के कछार स्थिति लगभग 50 गांव में भेड़ियों का आतंक कायम है। दो माह में एक महिला समेत 10 अपनी जान कमा चुके हैं और 54 लोग घायल हो चुके हैं। वन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में अब तक पांच भेजिए पकड़े भी जा चुके हैं जिन्हें पकड़ कर चिड़िया घर भेजा चुका है। वन विभाग के अनुसार अभी एक भेड़िया पकड़ा जाना बाकी है लेकिन क्षेत्रीय ग्रामीणों की मानें तो महसी क्षेत्र में भेड़ियों की तादात एक से कहीं अधिक है। रात हुए हमले से एक बार फिर क्षेत्र में दहशत का माहौल देखने को मिल रहा है। बीते दो सप्ताह से भेड़िये का कोई हमला न होने से लोग धीरे—धीरे सामान्य जीवन जीने लगे थे पर बीती रात दो मासूमों पर जानलेवा हमला होने के बाद एक बार फिर लोगों को भेड़िये का डर सताने लगा है। बहराइच के कतर्नियाघाट वन क्षेत्र के सुजौली रेंज अंतर्गत सुजौली के अयोध्या पुरवा गांव में गांव निवासी वसीम के घर बीती रात भेड़िया घुस गया जिसने घर में सो रही 13 वर्षीय बालिका साईबा पर हमलाकर दिया। बालिका के चीखने पर परिजनों की नींद खुली जिसके बाद सभी बच्ची को बचाने के लिए हाका लगाते हुए दौड़ पड़े। इस दौरान भेड़िया बालिका को घायल करके गन्ने के खेत में घुस गया। ग्रामीण पूरी रात हाका लगाते रहे। इस बीच परिजन घायल बालिका को सीएचसी ले गए जहां से उसे सीएचसी मोतीपुर के लिए रेफर किया गया। जहां सीएचसी में भी उसका इलाज सम्भव नहीं हुआ तो चिकत्सकों ने उसे मेडिकल बहराइच के लिए रेफर कर दिया। घटना से लोगों में दहशत का माहौल है।

द्वारिका से श्रीमद्भागवत कथा करने आए चेतन भाई रामलाल का दर्शन कर धन्य हुए

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भगवान श्री राम लला के मंदिर बनने बाद अयोध्या में पूरे विश्व से सनातन धर्म को मानने वाले लोग एक बार अवश्य आना चाहते हैं और पहली बार अयोध्या में श्रीमद् भागवत कथा करने के लिए द्वारिका से आया और अभी तक इन सात दिनों में दो बार दर्शन कर चुका हूं लेकिन मन बार—बार दर्शन को करता है इसलिए जाने से पहले एक बार और दर्शन करूंगा उक्तबातें द्वारिका से अयोध्या में श्रीमद्भागवत कथा करने आए आचार्य चेतन भाई ने कही। आचार्य जी ने श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन भगवान कृष्ण और रुक्मणी के विवाह की कथा गुजराती भाषा में कहीं जिसको सुनकर गुजरात से आए सैकड़ों भक्त मंत्र मुक्त हो गए। श्री महाराज जी ने कहा कि भगवान कृष्ण और साक्षात लक्ष्मी के रूप में पृथ्वी पर प्रकट हुई माता रूकमणि के विवाह की कथा जो सुनता है उसका जीवन धन्य हो जाता है और जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्त हो जाता है। अयोध्या के बारे में बताते हुए आचार्य चेतन भाई ने कहा कि अयोध्या के लोग बहुत प्रिय हैं और जब से मंदिर का निर्माण हो गया है तो ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जो अयोध्या एक बार ना आना चाहता हो, मुझे भी सौभाग्य प्राप्त हुआ अयोध्या में श्रीमद् भागवत कथा पहली बार करने का मेरा मन प्रसन्न हो गया और हमारे भक्तों का मानना है कि बहुत जल्द अयोध्या में श्री राम कथा कराएंगे तो मेरा मानना है कि भगवान श्री राम एक बार जो उनकी शरण में अयोध्या आता है निश्चित ही वह बार—बार बुलाते रहते हैं। उन्होंने कहा श्री राम जन्मभूमि के साथ हनुमानगढ़ी, कनक भवन सरयू जी में आरती का लाभ लेने का अवसर प्राप्त हुआ इसके साथ—साथ स्थानीय और कई मंदिरों का दर्शन हुआ संतों से मुलाकात हुई जीवन धन्य हो गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के वर्तमान समय के शिल्पकार हैं जो अयोध्या को सजाने में लगे हुए हैं। क्योंकि अयोध्या पौराणिक नगरी है निश्चित ही इसका विकास इसके अनुरूप होना चाहिए और वर्तमान के दोनों लोग अयोध्या को अयोध्या के अनुरूप विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं जिसके लिए मैं अयोध्या से उन लोगों का भी आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा 22 तारीख से कथा प्रारंभ हो हुई 28 को समापन होगा अयोध्या के लोगों से जो प्यार मिला है मैं उसका आभार व्यक्त करता हूं और बार—बार अयोध्या में आयोजन करता रहूंगा।

कमिश्नर ने आईजीआरएस प्रकरणों को गंभीरता से लेने का दिया अधिकारियों को अल्टीमेटम

संवाददाता—देवरिया। विकास भवन के गांधी सभागार में मंडलायुक्त अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में आईजीआरएस प्रकरण, लंबित राजस्व वाद, विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने जनपद में समस्त योजनाओं को गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ संचालित करने व आईजीआरएस के प्रकरणों को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। संबंधित अधिकारी फील्ड भ्रमण कर मौका मुआयना करें और शिकायतकर्ता से संवाद कर प्रकरण को समझे और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करें। आईजीआरएस पोर्टल में दर्ज प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से लिया जाए। अधिकारी निचले स्तर के कार्मिकों पर निर्भर न रहे। 25 सितंबर तक 1559 आईजीआरएस प्रकरण दर्ज हैं। जनपद में एक भी प्रकरण डिफाल्टर नहीं पाया गया। असंतुष्ट फीडबैक वाले प्रकरणों पर विशेष ध्यान दिया जाए। राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने कहा कि तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित मुकदमे का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने पशुपालन विभाग की समीक्षा की। वर्तमान समय में 2,672 गोवंश गोआश्रय स्थलों में संरक्षित हैं। जनपद के गो—आश्रय स्थलों में साइलेज की अनिवार्यता एवं बरहज स्थित कान्हा गोशाला में गोबर से पेंट बनाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। पीएम सूर्य घर योजना के अधिक से अधिक प्रचार—प्रसार पर जोर दिया। पीओ नेडा ने बताया कि अभी तक योजना के अंतर्गत जनपद में 1377 आवेदन आ चुके हैं, जिसके सापेक्ष 46 लोगों के घर पर सोलर रूफ टॉप का इंस्टालेशन हो चुका है।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने मंडलायुक्त को आश्वस्त किया कि दिये गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में सीडीओ प्रत्यूष पांडेय, सीएमओ डॉ. राजेश झा, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, एडीएम वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार राय, सीआरओ जेआर चौधरी, ज्वॉइंट मजिस्ट्रेटध्एसडीएम रुद्रपुर श्रुति शर्मा, एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी, एसडीएम सलेमपुर दिशा श्रीवास्तव, एसडीएम भाटपाररानी रत्नेश तिवारी, एसडीएम बरहज अंगद यादव, जिला विकास अधिकारी रविशंकर राय आदि मौजूद रहे। मंडलायुक्त ने जनपद में बाढ़ की स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त की। बताया गया कि जनपद की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से नीचे प्रवाहित हो रही हैं। स्थिति सामान्य है। निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा में उन्होंने कहा कि समस्त कार्यदायी संस्थाएं समयबद्धता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने सलेमपुर में निर्माणाधीन अग्निशमन केंद्र, बरवामीर छापर में निर्माणाधीन राजकीय आईटीआई, पथरदेवा में निर्माणाधीन राजकीय आईटीआई, जी 12 ट्रांजिट हॉस्टल सहित समस्त परियोजना को समय से पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया।

मंडलायुक्त ने कहा कि खराब ट्रांसफॉर्मर को निर्धारित समयावधि में बदला जाए।

किराने के गोदाम में लगी भीषण आग, व्यापारी का पुत्र झुलसा

संवाददाता—महराजगंज। घुघली शहर में गुरुवार की देर रात एक किराने के गोदाम में भीषण आग लग गई। इस घटना में गोदाम में रखे सारे सामान जल गए और लाखों की क्षति बताई जा रही है। आग बुझाने के प्रयास में व्यापारी का पुत्र गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे गोरखपुर मेडिकल कालेज ले जाया गया है। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। पीड़ित व्यापारी रामसमुझ कसौधन ने बताया कि लाखों का सामान जलकर राख हो गया है। घुघली के वार्ड नंबर छह स्थित इस गोदाम से लोगों ने देर रात धुआं उठते देखा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और आसपास अफरा—तफरी मच गई। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। बगल स्थित घुघली चौकी के सिपाहियों ने फायर सर्विस को सूचित किया और कुछ ही देर में फायर सर्विस की पांच गाडियां पहुंच गई। फायर सर्विस की टीम लोगों के सहयोग से आग बुझाने में जुट गईं, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। वहीं, गोदाम में आग को बुझाने गया व्यापारी का 24 वर्षीय बेटा आकाश गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले जाया गया। शुक्रवार की सुबह व्यापारी अपने गोदाम के पास गया तो आग अभी भी जल रही थी। इसकी सूचना फिर फायर सर्विस को दी गई दो फायर सर्विस की दो गाड़ियां आग बुझाने पहुंच गईं। गोदाम में धुंआ भर जाने के कारण कुछ साफ नहीं दिख रहा था। घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक सबकुछ राख हो गया था। घटनास्थल संकरा होने के कारण भी टीम को दिक्कतें पेश आईं। आग लगने की सूचना रात में मिली तो तत्काल फायर सर्विस की टीम को बुलाया गया। आग पर काबू पा लिया गया है।

शिविर में 171 लोगों के स्वास्थ्य की जांच हुई

संवाददाता—श्रावस्ती। द हंस फाउंडेशन की ओर से शुक्रवार को सिरसिया विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेचुवा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नेत्र रोग विशेषज्ञ डा अश्वनी कुमार ने एमएमयू के चिकित्सक डा फराज आलम के साथ मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। साथ ही जरूरत अनुसार दवाएं वितरित किया। इस मौके पर शिविर में 68 लोगों की आंखों की जांच हुई। 81 लोगों में अन्य बीमारियों की जांच की गई। साथ ही 22 लैब टेस्ट भी किए गए। डा. फराज ने एनीमिया के बारे में जानकारी दी और बचाव का तरीका बताया। किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित किए गए तथा व्यक्तिगत स्वच्छता को लेकर जागरूक किया। इस मौके पर फाउंडेशन के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अम्बुज सिंह, फार्मासिस्ट विजय शुक्ला, लैब टेक्नीशियन अंकित सिंह, एएनएम मिथिलेश, चालक संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

पुलिस लाइन से तीन निरीक्षक व बीस दरोगा को दी तैनाती

संवाददाता—गोण्डा। जिले की कानून व्यवस्था को चुस्त—दुरुस्त करने के लिए एसपी ने बड़ा फेरबदल किया है। चार निरीक्षकों व 29 उपनरीक्षकों को नई तैनाती दी गई है। चार निरीक्षकों में से तीन और 29 उपनरीक्षकों में से 17 को पुलिस लाइन से बाहर कर थानों व अन्य जगहों पर तैनाती दी गई है। नई तैनाती पाए कई निरीक्षक व उप निरीक्षक ऐसे भी हैं जो लाइन में बैठकर तैनाती मिलने की राह देख रहे थे। एसपी विनीत जायसवाल ने स्थानांतरित पुलिस कर्मियों को अपनी नई तैनाती पर तुरंत पहुंचकर योगदान देने के निर्देश दिए हैं। एसपी विनीत जायसवाल ने गुरुवार देर रात को चार निरीक्षक व 29 उपनिरीक्षकों को इधर से उधर कर दिया। अपराध शाखा में तैनात निरीक्षक रमाशंकर राय को अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक थाना कटरा, पुलिस लाइन में तैनात रहे इंस्पेक्टर विजय कुमार पांडेय को प्रभारी एसजेपीयू, समशेर बहादुर सिंह को विशेष जांच प्रकोष्ठ व हेमंत कुमार को महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन का प्रभारी बनाया गया है। वही, उपनिरीक्षको में पुलिस लाइन में तैनात 17 सब इंस्पेक्टर को थानों सहित अन्य जगह तैनाती दी गई है । इसके अलावा थानों में तैनात और कई चौकी प्रभारी रहे 12 उपनिरीक्षको को नई जिमेदारी सौंपी गई। एसपी ने तबादला हुए पुलिसकर्मियों को तत्काल अपने स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने की निर्देश दिए हैं।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मा० अध्यक्ष जिला पंचायत बस्ती के कैम्प कार्यालय का ध्वस्तीकरण की नीलामी मा० अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति दिनांक 26—09—2024 के अनुपालन में दिनांक 05—10—2024 को 1.00 बजे दिन में निम्न शर्तो के अधीन जिला पंचायत बस्ती के कार्यालय कक्ष में किया जायेगा।

01— बोलीदाता को जमानत के रूप में बोली के पूर्व मु० 45,32800 रुपये नगद जमा करना अनिवार्य होगा। जो बोली समाप्त होने के उपरान्त अधिकतम बोलीदाता की धनराशि को छोडकर शेष बोलीदाताओं को धनराशि तत्काल वापस कर दी जायेगी।

02— उच्चतम बोलीदाता को अपने द्वारा बोली गयी सम्पूर्ण धनराशि बोली की तिथि को ही सायं 5:00 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा।

03— उच्चतम बोलीदाता द्वारा जमा की गयी धनराशि किसी भी दशा में वापस नही की जायेगी।

04— बोली मु० 4,53,272.00 रूपये से प्रारम्भ की जायेगी। एवं अधिकतम बोलीदाता को बोली की धनराशि पर 2 प्रतिशत आयकर जमा करना होगा।

05— बोली में भाग लेने से पूर्व बोलीदाता उक्त भवन के मलवे की जाँच करते हुए बोली में प्रतिभाग करें।

06— उच्चतम बोलीदाता को आदेश प्राप्ति के 15 दिन के अन्दर भवन को अपने व्यय से ध्वस्त करते हुए मलवे को स्थल हटना अनिवार्य होगा।

07— बोलीदाता द्वारा भवन को अपने व्यय से ध्वस्तीकरण करते हुए मलवे की साफ—सफाई करायी जायेगी, इसके लिए जिला पंचायत बस्ती से कोई धनराशि भुगतान नहीं किया जायेगा।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत बस्ती

कार्यालय जिला पंचायत बस्ती।

पत्रांक— 556 (6)/ डि0/जि0पं0ब0/2024—25 दिनॉक 27—09 2024

गोरखपुर से बस्ती के बीच लगेगा पहला "कवच", बेधड़क दौड़ेंगी ट्रेनें

संवाददाता–गोरखपुर। लखनऊ–गोरखपुर–छपरा रेल मार्ग रेलवे के एचडीएन (हाई डेंसिटी नेटवर्क) श्रेणी में है। इस पर यात्रियों की भीड़ के चलते सर्वाधिक संख्या में ट्रेनों का आवागमन होता है। गोरखपुर स्टेशन से हर दिन करीब 180 ट्रेन व 40 से अधिक मालगाड़ियों का आवागमन होता है। ट्रेनों की बढ़ती संख्या के बीच हादसे की आशंका भी सर्वाधिक इसी रूट पर है। इसे ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने इस पूरे रूट पर तीसरी लाइन बनाने का काम शुरू किया है। इसके बाद अब चौथी लाइन के लिए भी सर्वे हो रहे हैं। साथ ही ऑटो ब्लॉक सिग्नल सिस्टम भी लगाया जा रहा है। इस सिस्टम के लागू होने पर एक ही ट्रैक पर तीन मिनट के अंतराल पर आगे–पीछे ट्रेनें चलाई जा सकेंगी।भीड़ और नई तकनीक लागू होने पर हादसे की आशंका और बढ़ेगी। इसे देखते हुए रेलवे बोर्ड ने यह निर्णय लिया है कि लखनऊ से छपरा के बीच लगने वाली कवच प्रणाली की शुरूआत भी सबसे पहले वहीं से होगा, जहां ऑटो ब्लॉक सिग्नल सिस्टम का काम पूरा होगा। इसीलिए एनईआर में सबसे पहले यह सुविधा गोरखपुर से बस्ती के बीच शुरू होगी। बस्ती से गोरखपुर के बीच जगतबेला से चुरेब तक ऑटो ब्लॉक सिग्नल सिस्टम लग चुका है। चुरेब से बस्ती के बीच काम चल रहा है। वहीं जगतबेला से डोमिनगढ़ के बीच नॉन इंटरलाकिंग का काम बाकी है। छठ पूजा के बाद एक सप्ताह में इंटरलाकिंग का काम पूरा होते ही गोरखपुर से बस्ती के बीच पूरा खंड ऑटो ब्लॉक सिस्टम से जुड़ जाएगी। अब गोरखपुर से छपरा के बीच भी तेजी से काम चल रहा है। कवच एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें अगर दो ट्रेनें आमने–सामने आ जाएं तो एक निश्चित दूरी पर वे खुद रुक जाएंगी। कवच प्रणाली लोको पॉयलट के सभी क्रियाकलापों जैसे ब्रेक, हार्न, थ्रोटल हैंडल आदि की मॉनिटरिंग करती है। ड्राइवर से किसी प्रकार की चूक होने पर कवच पहले ऑडियो–वीडियो के माध्यम से अलर्ट करेगा। लाल सिग्नल पार होते ही ट्रेन में अपने आप ब्रेक लग जाएगा। साथ ही, पांच किलोमीटर के दायरे में सभी ट्रेन बंद हो जाएंगी। पीछे से आने वाली ट्रेन को भी कवच बचाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे के ब्व्ट पंकज कुमार सिंह ने बताया की संरक्षा और सुरक्षा समेत आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाएं प्रगति पर हैं। लखनऊ–गोरखपुर–छपरा रूट पर ऑटो ब्लॉक सिस्टम का काम पूरा होने के बाद कवच प्रणाली की स्थापना का काम होगा। इससे इस अति व्यस्त रूट पर आवागमन और सुरक्षित हो जाएगा।

बोले सपाई–जिलाध्यक्ष इन पर कब जारी होगी नोटिस

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। समाजवादी पार्टी में यादव समाज द्वारा सांसद लालजी वर्मा के खिलाफ की जा रही मोर्चाबंदी को लेकर सियासी घमासान तेज हो गई है। विरोध करने वाले पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिलाध्यक्ष की तरफ से नोटिस जारी करने के बाद अब नगर पालिका अकबरपुर व कटेहरी जिला पंचायत सदस्य के उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी का विरोध करने वाले नेताओं को नोटिस जारी करने की मांग की है। जिला सचिव इन्द्रजीत यादव, परशुराम यादव पूर्व जोन प्रभारी सेनपुर, मजदूर सभा जिलाध्यक्ष संतोष यादव, टांडा ब्लाक अध्यक्ष राजितराम गौतम, लक्ष्मी नारायाण यादव, सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद यादव, जिला सचिव पवन यादव, राम मूरत यादव, राम जियावन यादव, चतुरपाल यादव आदि ने सपा जिलाध्यक्ष से मांग किया है कि नगर पालिका अकबरपुर के चुनाव में पार्टी प्रत्याशी शारदा राजभर को पार्टी के पदाधिकारियों व नेताओं ने विरोध किया। वहीं कटेहरी जिला पंचायत सदस्य के उप चुनाव में पार्टी की उम्मीदवार कांती देवी को जिम्मेदार पदाधिकारियों व नेताओं ने पूरी ताकत लगाकर चुनाव को हरा दिया। इन लोगों के खिलाफ पार्टी विरोधी गतिविधियों पर राष्ट्रीय व प्रान्तीय नेतृत्व इस अनुशासनहीनता को कब संज्ञान में लेगा और जिलाध्यक्ष कब नोटिस जारी करेंगे। जिला सचिव इन्द्रजीत यादव आदि ने कहा कि हम सभी लोग तो भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक दायरे में रह कर अपने विचारों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत कटेहरी विधानसभा के उपचुनाव में सांसद लालजी वर्मा के परिवार के अतिरिक्त किसी अन्य को प्रत्याशी बनाए जाने की मांग कर रहे हैं।

ब्रह्मभोज में खाने के दौरान सिर में ठोकने के विरोध पर दौड़ा कर पीटा

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र के जवैनिहा गांव में एक ब्रह्मभोज में खाना खाने के दौरान सिर में ठोकने से मना करने पर दबंगों ने गोलबंद होकर जमकर मारा पीटा। इसमें तीन लोगों को गंभीर चोटें आई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने छह नामजद सहित अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की। कैंपियरगंज क्षेत्र के जवैनिहा गांव निवासी श्वेतराज यादव ने पुलिस को तहरीर दी कि गुरुवार की शाम सात बजे गांव के प्रमोद यादव के मां के ब्रह्मभोज में खाना खाने गया था। गांव का विकास आकर हमारे सिर में ठोक दिया। जब मैंने इसका विरोध किया तो गाली देते हुए मारने लगा। जब मैं घर चला आया तो गोलबंद होकर सर्वजीत, सचिन, रामनाथ, संतोष, शिवकुमार, शिवम व अज्ञात लोग हमारे घर पर चढ़कर मारने लगे। मैं जान बचाकर अपने चाचा के घर भाग गया। वहां भी चढ़कर मारने–पीटने लगे। हमारे चाचा राकेश को भी मारे। हमारे बड़े पिता के लड़के अखिलेश को भी मारे पीटे और जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर विकास, सर्वजीत, सचिन, संतोष, शिवकुमार, शिवम व कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

इतिहासकारों का महाकुंभ, भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने पर मंथन

संवाददाता–अयोध्या। साकेत महाविद्यालय के जेपीएन सिंह सभागार में शुक्रवार से इतिहास की दशा –दिशा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय ज्ञान परम्परा के संवाहक देश भर के इतिहासकारों का महाकुंभ शुरू हुआ। अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा. बालमुकुंद पाण्डेय ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा को अवशोषित करने के लिए ऐसे युवा सामने आएं जो इतिहास के पुनर्पाठ लेखन को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने भारतीय ज्ञान परम्परा को दूषित करने के लिए भारतीयों के विश्वास पर आघात किया। इसके लिए थ्री ई यानि इंग्लिश, एजुकेशन व इम्पलायमेंट के सिद्धांत को लागू किया। उन्होंने ऐसी व्यवस्था लागू की और अनेक बंधन लगा दिया जिससे कि भारतीय जनमानस वेद शास्त्रों से दूर होता चला गया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए घर के वातावरण में मातृभाषा का समावेश होना जरूरी है। इस मौके पर आईसीएचआर के सदस्य सचिव प्रो. उपाध्याय ने डिप्टी सीएम समेत अतिथियों का स्वागत किया।

इसके पहले आईसीएचआर व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संस्था इतिहास संकलन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय संगोष्ठी का अनौपचारिक अनावरण उत्तर प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम व राज्यसभा सांसद डा. दिनेश शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि मैकाले की शिक्षा पद्धति ने समाज की मानसिकता को दूषित ही नहीं किया बल्कि इतिहास के साथ भी छेड़छाड़ कर गलत तथ्य प्रस्तुत किया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आईसीएचआर के पूर्व चेयरमैन व वयोवृद्ध विद्वान आचार्य प्रो. अरविंद जामखेडकर ने करते हुए कहा कि पुरातात्विक अनुसंधान के लिए प्रकृति के साथ अन्य विषयों की समझ आवश्यक है। उन्होंने बताया कि संस्कृत के विद्यार्थी के रूप में जब पुरातत्व की ओर रुख किया तो ज्ञात हुआ कि इस विषय के लिए प्रकृति के साथ अभियांत्रिकी की जानना आवश्यक है। पुनः राज्य और समाज को समझने के लिए समाज शास्त्र के ज्ञान की जरूरत महसूस हुई। इसी तरह न्याय, मीमांसा व व्याकरण का ज्ञान भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के वाद से ज्ञान संपदा बढ़ती है और स्वयं के साथ इतिहास और समाज को समझने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से युवाओं को भी पाथेय प्राप्त होगा। कार्यक्रम में आईसीएचआर के पूर्व चेयरमैन प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, सदस्य प्रो. आनंद शंकर सिंह, कालेज के प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह व महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इतिहास संकलन समिति की प्रांतीय अध्यक्ष प्रो. प्रज्ञा मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर समिति के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री व वरिष्ठ प्रचारक संजय मिश्र, एएसआई के सेवानिवृत्त पुराविद् केके मोहम्मद, प्रो. सुदर्शन राव, प्रो. अशोक कुमार मिश्र, प्रो.जन्मेजय त्रिपाठी, राजीव मणि पाठक, विनय सिंह, डा. रमेश सिंह, डा.रवींद्र सिंह, डा. कनक पाठक, निवर्तमान महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह व कमलेश श्रीवास्तव, परमानंद मिश्र व शैलेन्द्र सहित अन्य मौजूद रहे।

पीएम आवास योजना शहारी का निर्माण शीघ्र पूरा करें –जिलाधिकारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला नगरीय विकास अभिकरण(डूडा) के शासी निकाय की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के सीएम डैशबोर्ड प्रगति की समीक्षा की। बैठक में परियोजना अधिकारी डूडा ने बताया कि जनपद में कुल 20125 स्वीकृत आवासों के सापेक्ष 19881 को प्रथम किश्त, 19667 को द्वितीय किश्त तथा 17973 लाभार्थियों को तृतीय किश्त की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है। अब तक 18525 लाभार्थियों के छत स्तर पर पूर्ण हो चुके हैं। जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन आवासों से संबंधित लाभार्थियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों का सत्यापन कार्य दो दिवस में पूर्ण करने का निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

इस दौरान पंडित दीन दयाल योजना के तहत राष्ट्रीय शहरी आजीविका की समीक्षा किया। यह योजना अकबरपुर, टांडा व जलालपुर में संचालित की गइ है। इसमें स्वतरू रोजगार के लिए 29 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया है। 32 समूहों का खाता खुलवाया गया है। जिलाधिकारी ने बैंकों में लंबित समूहों के खाते शीघ्र ही खुलवाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी डा. सदानंद गुप्ता, जिलापूर्ति अधिकारी शिवाकांत पांडेय, पीओ डूडा, समस्त निकायों के अधिशासी अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जन शिक्षण संस्थान के तत्वाधान में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत खजुरी में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था निदेशक अरुण कुमार शाही ने कहा स्वच्छता अपनाने से हम निरोग रहेंगे। हमें स्वच्छता के प्रति अन्य लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है। कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालना चाहिए। ताकि हमारा गांव व शहर स्वच्छ रहे। कार्यक्रम में केन्द्र की प्रशिक्षणार्थियों में ज्योति, ममता सिंह, काजल निषाद, सानिया बानो, ऊषा, अर्चना, संगीता, नेहा आदि ने स्वच्छता होने वाले लाभ पर निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें अर्चना प्रथम, नेहा द्वितीय व काजल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

किराना की दुकान के शटर का चोरों ने तोड़ा ताला, हजारों की चोरी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बढ़नी कस्बे में लोहियानगर के बस स्टाप तिराहे के पास स्थित एक किराने व जनरल स्टोर की दुकान के शटर का ताला तोड़ कर चोरों ने नकदी सहित अन्य सामानों पर हाथ साफ कर लिया है। बस स्टाप तिराहे पर रोजेश की किनारा व जनरल स्टोर की दुकान है। गुरुवार रात वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। शुक्रवार को दुकान खोलने पहुंचे तो देखा का शटर का ताला टूटा है। शटर उठा कर देखा तो दुकान का सामान बिखरा पड़ा हुआ था। गल्ला में रखा साढ़े तीन हजार रुपया गायब था। सामानों की मिलान की तो हजारों रुपये के सामान भी गायब थे। राजेश ने दुकान में चोरी होने की जानकारी तत्काल 100 नंबर पर काल करके पुलिस को दी। दुकान का ताला तोड़ कर चोरी की घटना से आसपास के दुकानदारों में दहशत सी छा गई है। लोग पुलिस की गश्त पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। 24 जुलाई को यहीं पर एक व्यापारी की आंख में मिर्ची पाउडर डाल कर कुछ लोगो ने लूट की घटना को अंजाम दिया था। हालांकि बाद में आरोपी पकड़े भी गए थे। अब चोरी हो गई तो लोगों में दहशत है। पीडिघ्त ने बढ़नी चौकी पर पहुंच कर चौकी प्रभारी सभाशंकर यादव को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ढेबरूआ थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया वे जरूरी काम से न्यायालय में आए हैं। मामले की अभी जानकारी नहीं है।

नहीं पहुंचे बीडीओ, सचिव ने सुनी समस्याएं

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत बूड़ा में शुक्रवार को जन चौपाल का आयोजन किया गया। ग्रामीण समस्याओं को लेकर पहुंचे, लेकिन बीडीओ चौपाल में नहीं पहुंच सके। सचिव ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर समाधान का आश्वासन दिया। हालांकि इस दौरान कई ग्रामीणों की समस्याएं सुनी ही नहीं गई। बहुत से ग्रामीण अपनी समस्या बीडीओ को बताना चाह रहे थे, लेकिन वह नहीं पहुंच सके। ग्रामीण दो घंटे के इंतजारी के बाद अपने घर चले गए। सचिव केशभान यादव ने बताया कि क्षेत्र में डीएम का औचक निरीक्षण कभी भी हो सकता है। ऐसे में सभी पात्रों को उनकी योजनाओं का लाभ दिलाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान प्रधान भवानी शंकर शुक्ल, प्रमोद चौधरी आदि मौजूद रहें।

जांच में कनिष्ठ लिपिक को मिली क्लीन चिट, शिकायकर्ता ने उठाए सवाल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा और मंडलायुक्त बस्ती से सीएमओ कार्यालय के एनएचएम विभाग में तैनात कनिष्ठ लिपिक के खिलाफ गंभीर आरोपों की हुई शिकायत की जांच डीएम की गठित तीन सदस्यीय टीम ने की। जांच समिति ने साक्ष्य के अभाव में कनिष्ठ लिपिक को क्लीन चिट दी है। वहीं इस प्रकरण के दूसरे शिकायतकर्ता भाजपा के पूर्व जिला मंत्री आनंद त्रिपाठी ने समिति की जांच पर सवाल उठाया है। समिति पर उनका पक्ष नहीं सुनने और साक्ष्य नहीं मांगे जाने का आरोप मढ़ा है। अब इसकी शिकायत सीएम के दरबार में ले जाने की तैयारी में है।

भाजपा के नगर महामंत्री विष्णु मिश्र ने सीएमओ कार्यालय के एनएचएम में तैनात कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाते हुए पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा से शिकायत की थी। जबकि भाजपा के पूर्व जिला मंत्री एवं पूर्व सांसद प्रवीण निषाद के प्रतिनिधि आनंद त्रिपाठी ने मंडलायुक्त को प्रार्थना पत्र देकर कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव के लिए गंभीर आरोप मढ़ते हुए जांच कराए जाने की मांग की थी। डीएम ने पूर्व डिप्टी सीएम और मंडलायुक्त से कनिष्ठ लिपिक की हुई शिकायत को गंभीरता से लेते हुए 17 अगस्त 2024 को प्रकरण की जांच के लिए एडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की। समिति में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक संयुक्त जिला चिकित्सालय और जिला विकास अधिकारी को सदस्य नामित किया। समिति ने प्रकरण के जांच के क्रम में शिकायतकर्ता के शिकायती प्रार्थना पत्र पर शिकायकर्ता एवं आरोपी कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव को सुना। दोनों पक्षों से प्रस्तुत साक्ष्यों का अवलोकन किया। जांच समिति के मुताबिक शिकायकर्ता विष्णु मिश्र ने सीएमओ के कार्यालय में तैनात कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव पर अरबन हास्पिटल के लिए किराए पर भवन लेने के लिए तीन लाख रुपये की मांग एवं टोकनमनी के तौर पर 10,000 रुपये उनके चपरासी सुभाष के पास जमा कराने का आरोप लगाया गया है। इसके साथ ही एक ही फर्म को जैम पोर्टल के माध्यम से फर्जी तरीके से 15 लाख का भुगतान कर दिए जाने का आरोप है। लैब टेक्निशियन संविदा, सुहाना त्रिपाठी की तैनाती गलत तरीके से कराने का भी आरोप लगाया गया है। जबकि कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव ने समिति के समक्ष दिए बयान में कहा कि उन्होंने हास्पिटल के लिए मकान किराए पर लेने के लिए किसी धनराशि की मांग नहीं की गई और न ही उसके जरिए टोकन मनी के तौर 10,000 रुपये सुभाष से प्राप्त किया। विष्णु ने जो प्रत्यावेदन किराए के लिए दिया है वह अरबन हास्पिटल किराए के संबंध में है, जो सुरजीत सिंह एनयूएचएम के जिला कोआर्डिनेटर द्वारा देखा जाता है। लैब टेक्नीशियन संविदा सुहाना त्रिपाठी की नियुक्ति मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के जरिए की जाती है। तैनाती में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं की गई है। लैब टेक्निशियन संविदा, सुहाना त्रिपाठी द्वारा पूर्व में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत चार फरवरी 2019 से 24 फरवरी 2024 तक लैब टेक्निशियन संविदा के पद पर जनपद बरेली में मुख्य चिकित्साधिकारी के अधीन एमसीएच विंग में कार्य किया जा चुका है। सुहाना त्रिपाठी ने सीएमओ को लिखित दिया है कि तत्कालीन सीएमओ व लेखालिपिक राकेश श्रीवास्तव को अथवा अन्य किसी को एक भी रुपये नहीं दिया गया है। शिकायकर्ता विष्णु मिश्र के शिकायती प्रार्थना पत्र में वर्णित शिकायत के संबंध में शपथ पत्र के अलावा कोई ऐसा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, जिससे शिकायत की पुष्टि हो सके।

शिकायतकर्ता आनंद त्रिपाठी का आरोप है कि कनिष्ठ लिपिक राकेश कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ उनके जरिए मंडलायुक्त से की गई शिकायत की जांच समिति ने नहीं की। जांच समिति ने उनका पक्ष सुनने के लिए सूचना तक नहीं दिया। आरोप है कि जांच में लीपापोती की गई है। वह चुप नहीं बैठेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ एवं स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर शिकायत करेंगे और टीएसी जांच की मांग करेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत महसिन विकास खण्ड साऊंघाट-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 28.09.2024 से 03.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 04.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–सुबाष चन्द्र — ग्राम पंचायत–महसिन — विकास खण्ड–साऊंघाट, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-लालजी — ग्राम पंचायत–महसिन — विकास खण्ड–साऊंघाट, बस्ती

पत्रांक मेमो /27.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत विशुनपुर विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 28.09.2024 से 03.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 04.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–वेद प्रकाश चौधरी — ग्राम पंचायत–विशुनपुर — विकास खण्ड–सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-रिंगभान चौधरी — ग्राम पंचायत–विशुनपुर — विकास खण्ड–सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /26.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

तेज हवाओं के साथ रात भर हुई बारिश

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में गुरुवार दोपहर बाद से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी है। पूरी रात पानी बरसता रहा। शुक्रवार को सुबह लगभग एक घंटे जोरदार बारिश हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश जारी रही। कई इलाकों में बिजली बाधित हो गई है। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के चलते सड़कें बदहाल हो गई हैं। तेज हवाओं के साथ हो रही बारिश ने समूचे वातावरण को खुशनुमा बना दिया। जिले में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया। तेज गति से चल रही हवाओं ने समूचे वातावरण को झकझोर कर रख दिया। बारिश होने से धान की फसलों के लिए यह काघ्फी मुफीद मानी जा रही है। बारिश की वजह से जिले में अधिकतम आर्द्रता 95 प्रतिशत रिकार्ड की गई।

बारिश का असर लगभग पूरे जिले में रहा। नाथनगर संवाद के अनुसार नाथनगर क्षेत्र में बरसात ने बढ़ाई लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। किसानों में खुशी है तो कीचड़ युक्त सड़कों पर चलना मुसीबत बन गया है। लगातार हो रही बरसात से महुली चौराहे पर पानी भर गया। लोगो के घरों और दुकानों में घुसने लगा है। बारिश से नाथनगर क्षेत्र में विद्युत सप्लाई गुल है। सेमरियावां ब्लाक क्षेत्र में तेज हवा, गरज और चमक के साथ मूसलाधार बारिश जारी रही। बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। पौली क्षेत्र में बारिश से विद्युत सप्लाई पूरी तरह बन्द है। जिससे लोगों के आवश्यक कार्य बंद पड़े हैं। लोहरैया संवाद के अनुसार लोहरैया में भी रात से ही बारिश हो रही है। बिजली गुल हो गई है। धर्मसिंहवा संवाद के अनुसार धर्मसिंहवा क्षेत्र में भोर से बारिश हो रही है। बखिरा क्षेत्र में रात से बारिश हो रही है। हवा के साथ रात 12.30 बजे से बिजली गायब है। मेंहदावल संवाद के अनुसार बारिश के बीच पूरे क्षेत्र की बिजली गुल हो गई है। धनघटा संवाद के अनुसार धनघटा में भी बारिश जारी रही। धनघटा के ग्रामीण क्षेत्र में बिजली नहीं है।

चोरी के पैनल के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कठेला समय माता थाना की पुलिस ने एक चोरी के आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी का पैनल भी बरामद किया है। आरोपी विजय कुमार पुत्र चंद्रिका प्रसाद निवासी गुरौवाजोत को गिरफ्तार करने वाले एसआई नंदलाल सरोज ने बताया कि आरोपी को बंदुआरी चौराहे से गिरफ्तार किया गया है। उसके पास चोरी का सोलर पैनल बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ धारा 305घ्317(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 110/2024

कुसमावती–सायल

1 कुसमावती उम्र 60 साल पत्नी स्व0 सालिकराम ग्राम सेखुई पोस्ट चौकवा तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–10–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 16–10–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com